G.S. College of Commerce & Economics (Autonomous)

South Civil Lines, Jabalpur (M.P.)

Department of Economics

M.A. (Economics) - III Semester Syllabus Recommended by Board of Studies

Session : 2020-21 Onwards

Internal Max. Marks : 10 — Main Exam Max. Marks : 40

Min. Pass Marks : 04 — Min. Pass Marks : 14

Subject Group / विषय समुह : **Compulsory / अनिवार्य**

Title of Subject : **Economics of Growth and Development**

विषय का शीर्षक : **विकास एवं वृद्धि का अर्थशास्त्र**

Paper No. / प्रश्नपत्र क्रमांक : **First / प्रथम**

Unit-1	Concept of growth and development, factor affecting, growth and development, problems of under developed (i) Ricardian theory of growth, (ii) Malthusian theory of growth (iii) Marxian theory.
इकाई –1	विकास और वृद्धि की अवधारणा, विकास एवं वृद्धि को प्रभावित करने वाले तत्व – (i) रिकार्डो का वृद्धि मॉडल, (ii) माल्थस का वृद्धि मॉडल, (iii) मार्क्स का सिद्धांत।
Unit-2	(i) Schumpeter's Model, Kyenesian Model of Employment and Income, Consumption Function, (ii) Multiplier, Accelerator and Investment Function, (iii) Harrod-Domar Model, (iv) Joan Robbinson's model of growth.
इकाई –2	(i) शुम्पीटर मॉडल, आय और रोजगार का कीन्सीयन मॉडल, उपभोग फलन, (ii) गुणक, त्वरक और विनियोग फलन, (iii) हैरॉड डोमर मॉडल, (iv) जॉन राबिन्सन मॉडल।
Unit-3	(i) Theory of Balanced growth- Nurkse and Lewis model. (ii) Theories of dualism-Boeke' Higgins & Myint. (iii) Theories of unbalanced Growth-Hirschman, (iv) Leibensties's Model.
इकाई –3	(i) संतुलित विकास का सिद्धान्त – नर्क्से और लुईस मॉडल, (ii) व्दैवाद के सिद्धांत – बुके, हिगीन्स मिन्ट, (iii) असंतुलित विकास का सिद्धांत, हर्षमैन (iv) लिबिन्स्टीन मॉडल।
Unit-4	(i) Rostow's stages of growth, (ii) Mahalanobis Model. (iii) Neoclassical model of meade, (iv) Solow's Neoclassical Model (v) Kalder Model.
इकाई –4	(i) वृद्धि की रोस्टोव की अवस्थायें, (ii) महालनोविस मॉडल, (iii) मीड का नवप्रतिष्ठित मॉडल, (iv) सोलो नवप्रतिष्ठित मॉडल (v) काल्डोर मॉडल।
Unit-5	Approaches to Development, Partial theories of growth and Development - vicious circle of poverty, circular causation, unlimited, supply of labour, big push, balanced growth, unbalance growth, critical minimum efforts thesis, low income equilibrium trap ; Dualism-technical behavioral and social.
इकाई –5	विकास के मुद्दे– विकास एवं वृद्धि के आंशिक सिद्धांत, गरीबी का दुश्चक्र, चक्रीय कार्यकरण, श्रम की असीमिता पूर्ति का सिद्धान्त, बड़े धक्के का सिद्धांत, क्रान्ति न्यूनतम प्रयास सिद्धान्त, तकनीकी व्यवहार एवं समाज।

Books Recommended :

- डॉ. महेन्द्र कुमार गर्ग – विकास का अर्थशास्त्र
- GPH Panel of Experts - समृद्धि एवं विकास का अर्थशास्त्र
- प्रणव वर्धन – इकोनॉमिक डेव्हलपमेंट

G.S. College of Commerce & Economics (Autonomous)

South Civil Lines, Jabalpur (M.P.)

Department of Economics

M.A. (Economics) - III Semester Syllabus Recommended by Board of Studies

Session : 2020-21 Onwards

Internal Max. Marks : 10 — Main Exam Max. Marks : 40

Min. Pass Marks : 04 — Min. Pass Marks : 14

Subject Group / विषय समुह : **Compulsory / अनिवार्य**

Title of Subject : **Environmental Economics**

विषय का शीर्षक : **पर्यावरणीय अर्थशास्त्र**

Paper No. / प्रश्नपत्र क्रमांक : **Second / द्वितीय**

Unit-1	Introduction - Meaning and scope of Environmental Economics environment an economic good, environmental issues in developed and developing Countries. A global perspective interaction between economics, environment and ecology.
इकाई –1	भूमिका – पर्यावरणीय अर्थशास्त्र का अर्थ एवं क्षेत्र। पर्यावरण एक आर्थिक वस्तु। विकसित एवं विकासशील देशों में पर्यावरणीय मुद्दे एवं वैश्विक दृष्टिकोण। अर्थशास्त्र, पर्यावरण एवं परिस्थिति विज्ञान में पारस्परिक प्रभाव।
Unit-2	Economic Development and Environment. Environmental degradation due to economic development. (a) Impact of Agricultural Development, (b) Impact of Industrial Development, (c) Other impacts - Sustainable Development.
इकाई –2	आर्थिक विकास एवं पर्यावरण – आर्थिक विकास के कारण पर्यावरणीय अधोगति – (अ) कृषि विकास का प्रभाव, (ब) औधौगिक विकास का प्रभाव, (स) अन्य प्रभाव – सतत् विकास।
Unit-3	Some important issues in environmental economics, environmental impact analysis (EIA) environment impact statement (EIS), environment auditing statement (EA) social cost/benefit analysis.
इकाई –3	पर्यावरणीय अर्थशास्त्र के कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे। पर्यावरणीय प्रभाव विश्लेषण (EIA), पर्यावरणीय प्रभाव कथन (EIS), पर्यावरणीय अंकेक्षण कथन (EA), सामाजिक लागत/लाभ–विश्लेषण।
Unit-4	Environment cost of economic growth : (1) Damage cost-direct and indirect - (A) Air, Water, Soil, Noise, (B) Problems of Resource depletion (i) Renewable - resources (a) Vegetation - Croplands, Grasslands and Forests (b) Animal-Wildlife, Domestic animals, (c) Human Resources - skilled and unskilled, (d) Surfac - Water rivers, Tanks and wells. (ii) Non-Renewable resources minerals, soil, fossil-fuel, (C) Protection cost - (i) Conservation of resources, (ii) Prevention and control pollution.
इकाई –4	आर्थिक विकास एवं पर्यावरण लागत – क्षतिपूर्ति लागत–प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष – (अ) वायु, जल, मिट्टी, ध्वनि, (ब) संसाधनों के रिक्तीकरण की समस्यायें (1) पुर्नउत्पादनीय संसाधन (क) वनस्पति–उपजभूमि, घास के मैदान एवं जंगल, (ख) पशु–वन्यजीव, पालतू पशु (ग) मानव संसाधन–कुशल एवं अकुशल, (घ) सतही जल, नदियॉ, कुआ एवं तालाब। गैर पुर्नउत्पादनीय संसाधन खनिज, मिट्टी, जीवाश्म, ईधन। (स) संरक्षण लागत – (1) संसाधनों का संरक्षण (2) प्रदूषण से बचाव एवं नियंत्रण।
Unit-5	Environmental Policies and Laws - (1) Constitutional Rights and Duties regarding environment, (2) Changing World - Scenario from srockholm-conference 1972 to present day. (3) Environment Law 1988, Environment Protection-Law of M.P.
इकाई –5	पर्यावरणीय नीतियॉ एवं कानून – (1) पर्यावरण के संबंध में संवैधानिक अधिकार एवं कर्त्तव्य, (2) बदलता विश्व परिदृश्य 1972, स्टाकहोम सम्मेलन से वर्तमान तक, (3) पर्यावरण कानून–1988, म.प्र. में पर्यावरण संरक्षण नियम।

Books Recommended :

1. Karpagam, M.-Environment Economics A Text Sterling Publishers Pvt. Ltd. New Delhi 1991.

2. S.L. Lodha - Economics of Environment R.B.S.A. Publishers SMS Hidhwajaipur.

3. John Lenihan - Economics of the Environment Blacki & Son Ltd. Bishobridge Glassgow G. 642 NZ.

4. J.T. Winpenny - Values for the Environment A Guide to Economics Appraisal London NMSO.

5. विकास एवं पर्यावरण का अर्थशास्त्र – प्रो. रामकुमार गुप्ता एवं डॉ. गणेश कावड़िया हिन्दी ग्रंथ अकादमी

6. पर्यावरण अध्ययन एवं प्रबंध – डॉ. नरेन्द्र मोहन अवस्थी

7. पर्यावरण अर्थशास्त्र – डॉ. पी.डी. माहेश्वरी

G.S. College of Commerce & Economics (Autonomous)

South Civil Lines, Jabalpur (M.P.)

Department of Economics

M.A. (Economics) - III Semester Syllabus Recommended by Board of Studies

Session : 2020-21 Onwards

Internal Max. Marks : 10 — Main Exam Max. Marks : 40

Min. Pass Marks : 04 — Min. Pass Marks : 14

Subject Group / विषय समुह : **Compulsory / अनिवार्य**

Title of Subject : **Labour Economics -I**

विषय का शीर्षक : **श्रम अर्थशास्त्र – I**

Paper No. / प्रश्नपत्र क्रमांक : **Third / तृतीय**

Unit-1	Nature and characteristics of labour markets in developing countries like India : Paradigms of labour market analysis - Classical, neo-classical and dualistic economy : Demand for labour in relation to size and pattern of investment.
इकाई–1	भारत जैसे विकासशील देशों में श्रम बाजार की प्रकृति एवं विशेषताएँ – श्रम बाजार विश्लेषण का दृष्टांत प्रतिष्ठित, नव प्रतिष्ठित एवं द्वैतवादी अर्थव्यवस्था, विनियोग की मात्रा एवं स्वरूप के सापेक्ष श्रम की मॉग।
Unit-2	Choice of technologies and labour policies; Supply of labour in relation to growth of labour force : Labour market policies: Mobility and productivity of labour: Retionalization: Methods of recruitment and placement: Employment service organization in India.
इकाई–2	तकनीकी का चुनाव एवं श्रम नीतियॉ, श्रम शक्ति वृद्धि के सापेक्ष श्रम पूर्ति, श्रम बाजार नीतियॉ, श्रम की उपत्पादकता व गतिशीलता, विवेकीकरण भर्ती तथा पदस्थापना की विधियॉ, भारत में रोजगार कार्यालय संगठन।
Unit-3	Employment and development relationship-poverty and unemployment in developing countries: Unemployment - concept, types and measurement particularly in India.
इकाई–3	रोजगार एवं विकास संबंध विकासशील देशों में गरीबी, बेरोजगारी, भारत के विशेष संदर्भ में बेरोजगार–अवधारणा, प्रकार का मापन।
Unit-4	Impact of rationalization, technological change and modernization on employment in organized private industry. Public sector and employment in agricultural sector. Analysis of educated unemployment. Employment policy in Five year plans and its evaluation.
इकाई–4	संगठित निजी उद्योगों में विवकीकरण तकनीकी परिवर्तन आधुनिकीकरण का रोजगार पर प्रभाव, सार्वजनिक क्षेत्र एवं कृषि क्षेत्र में रोजगार, शिक्षित बेरोजगारी का विश्लेषण, पंचवर्षीय योजनाओं में रोजगार नीति व उसका मूल्यांकन।
Unit-5	Classical, neo-classic and bargaining theories of wage determination; concepts of minimum wage, living wage and fair wage in theory and practice; discrimination in labour markets; wage determination in various sectors- rural, urban, organized, unorganized and in informal sectors; non-wage component of labour remuneration.
इकाई–5	मजदूरी निर्धारण के प्रतिष्ठित व नवप्रतिष्ठित तथा सौदेबाजी सिद्धान्त, न्यूनतम मजदूरी की अवधारणा, पर्याप्त एवं उचित मजदूरी के सिद्धान्त एवं व्यवहार, श्रम बाजार विभेदीकरण विभिन्न क्षेत्रों में मजदूरी निर्धारण–ग्रामीण, शहरी, संगठित, असंगठित एवं अनौपचारिक क्षेत्र श्रम वेतन में गैर मजदूरी घटक।

Books Recommended :

1. Datt.G (1996) - Bargaining Power, Wages and Employment : An analysis of agricultural labour market in India. Saga Publications, New Delhi.

2. Hajela P.D. (1988) - Labour Restructuring in India : A critique of the new economic policies. Commonwealth Publishers, New Delhi.

3. Jhanvata, R. and R.K. Subrahmanya (Eds.) (2000). The Unorganised sector: Work Security and Social Protection. Saga Publication, New Delhi

4. McConnell, C.R. and S.L. Brue (1986) - Contemporary labour Economics McGraw-Hill, New York.

5. Papola, T.S., P.P. Ghosh and A.N. Sharma (Eds.) (1993) - Labour Employment and Industrial Relations in India. B.R. Publication Corporation, New Delhi.

G.S. College of Commerce & Economics (Autonomous)

South Civil Lines, Jabalpur (M.P.)

Department of Economics

M.A. (Economics) - III Semester Syllabus Recommended by Board of Studies

Session : 2020-21 Onwards

Internal Max. Marks : 10 | Main Exam Max. Marks : 40

Min. Pass Marks : 04 | Min. Pass Marks : 14

Subject Group / विषय समुह : **Compulsory / अनिवार्य**

Title of Subject : **Industrial Economics -I**

विषय का शीर्षक : **औद्योगिक अर्थशास्त्र – I**

Paper No. / प्रश्नपत्र क्रमांक : **Fourth / चतुर्थ**

Unit-1	Meaning, Rational, pattern and impact of industrialization. Factors favoring and Hampering Rapid Industrial Development of India. Relationship between industry and economic development, industry sectoral linkages. New industrial policy and India, from 1991 to till date. Recent trends in Indian industrial growth.
इकाई–1	औद्योगीकरण का अर्थ, औचित्य, प्रारूप एवं प्रभाव। भारत में तीव्र औद्योगिक विकास के पोषक एवं बाधक कारक उद्योग एवं आर्थिक विकास का संबंध, उद्योगों एवं क्षेत्रीय संयोजन, भारत की नवीन औद्योगिक नीति – 1991 से अभी तक, औद्योगिक विकास की नवीन प्रवृत्तियॉ।
Unit-2	Concept and organization of a firm, business classification of firm on the basis of, its activities, sector, ownership and structure. (Public, Private, Joint and Cooperative Sectors).
इकाई–2	फर्म की अवधारणा एवं संगठन, फर्म का व्यवसायिक वर्गीकरण एवं उनके कार्यों, क्षेत्र, स्वामित्व एवं संरचना के आधार पर (सार्वजनिक, निजी, संयुक्त एवं सहकारी क्षेत्र)
Unit-3	Size and Use Base Classification of Indian Industry and their trends in past 5 years, control and objectives of the firm, sellers concentration; product differ entiation; entry condition.
इकाई–3	भारतीय उद्योगों का आकार एवं उपयोग के आधार पर वर्गीकरण एवं इसकी विगत 5 वर्ष की प्रवृत्तियॉ, फर्म का नियंत्रण एवं उद्देश्य, विलयता केन्द्रीकरण, उत्पाद विभेदीकरण प्रवेश की शर्तें।
Unit-4	Market and its structure, extent of market concentration, industrial combination and its impact on efficiency of the firm and economic power. Theories of industrial location - Weber and sergeant florence : factors affecting location, industrial sickness.
इकाई–4	बाजार एवं उसकी संरचना, बाजार का विस्तार, केन्द्रीकरण में वृद्धि, औद्योगिक समिश्रण एवं इसके फर्म की कार्यकुशलता एवं आर्थिक शक्ति का प्रभाव, औद्योगिक स्थानीकरण के सिद्धांत–बेबर एवं सार्जेन्ट फ्लोरेंस, स्थानीकरण को प्रभावित करने वाले घटक, औद्योगिक रूग्णता।
Unit-5	Size and Growth of the firm; Growth and Profitability of the firm, constraints of the growth, Indian situation; product pricing theories and evidence concept & measurement of productivity, productivity trends in Indian industry. Industrial competition & monopoly.
इकाई–5	फर्म का आकार एवं विकास : फर्म का विकास एवं लाभदायकता, विकास के अवरोधक भारतीय परिस्थितियॉ, उत्पाद कीमत निर्धारण सिद्धान्त एवं साक्ष्य, उत्पादकता की अवधारणा एवं मापन, भारतीय उद्योग में उत्पादकता की प्रवृत्तियॉ, औद्योगिक प्रतियोगिता एवं एकाधिकार।

Books Recommended :

1. T.R. Sharma - Location of industries in India

2. Cherunilam, F (1994) - Industrial Economics in Indian Perspective (3" Edition), Himalaya Publishing House, Mumbai

3. E.A.O. Robinson - Structure of Competitive Industry

4. Jalan B (1996) - India's Economic Policy, Viking, New Delhi

5. Singh & Sandhu - Industrialization & Regional Development in India

6. Naidu K.M. (1999) - Industrialization & Regional Development in India.